मध्यप्रदेश राज्य मिलेट मिशन अंतर्गत
जिलास्तरीय मिलेट मेला
दिनांक :- 06.02.2024
स्थान :- कृषि विज्ञान केन्द्र, नकतरा
आयोजक :- किसान कल्याण तथा कृषि विकास रायसेन
श्री नरेन्द्र मोदी जी
मा. प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव जी
मा. मुख्यमंत्री
9713682623

मध्यप्रदेश राज्य मिलेट मिशन अंतर्गत
जिलास्तरीय मिलेट मेला
दिनांक :- 06.02.2024
स्थान :- कृषि विज्ञान केन्द्र, नकतरा
आयोजक :- किसान कल्याण तथा कृषि विकास संस्थान

मध्यप्रदेश राज्य मिलेट मिशन अंतर्गत
जिलास्तरीय मिलेट मेला
Shot on OnePlus
By Raghu

Shot on OnePlus
Powered by Triple Camera

दैनिक भास्कर
भोपाल, बुधवार, 7 फरवरी, 2024

मिलेट मेला • ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी, सांवा, कम उपजाऊ भूमि पर हो जाता है तैयार

श्री अन्न के उत्पादन की अच्छी संभावनाएं

मेले में मौजूद कृषि अधिकारी-कर्मचारी और किसान।

रायसेन| किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग द्वारा जिला स्तरीय मिलेट्स मेले का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि उप संचालक एनपी सुमन ने कहा कि इस क्षेत्र में श्री अन्न के उत्पादन की अच्छी संभावनाएं हैं। रायसेन जिले के विकासखंड औबेदुल्लागंज के ग्राम लुलका बोरपानी में सिरॉक संस्था, कृषि विभाग व कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन के तकनीकी मार्गदर्शन में आदिवासी महिलाओं द्वारा कोदो, सांवा, रागी व कांगनी का उत्पादन किया जा रहा है। मूल्य संवर्धन के अंतर्गत इनका आटा बनाकर बाजार में उपलब्ध कराया जा रहा है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ स्वप्निल दुबे ने कहा कि श्री अन्न ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी, सांवा, रागी, कंगनी, चेना के लिए कम उपजाऊ भूमि, ऊंची नीची भूमि, कम खाद, कम पानी, व कम लागत में तैयार हो जाती है। श्री अन्न से हमें प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, आयरन, रेशा, मिनरल, कैल्शियम की प्रचुर मात्रा में पूर्ति हो जाती है। मोटापा, हृदय रोग, गैस्ट्रिक अल्सर व मधुमेह आदि रोगों के लिए श्री अन्न बहुत लाभकारी है। वैज्ञानिक डॉ प्रदीप कुमार द्विवेदी द्वारा प्राकृतिक खेती व वैज्ञानिक रंजीत सिंह राघव द्वारा श्री अन्न फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक सम्बन्धी जानकारी विस्तारपूर्वक दी गयी व एल.ई.डी स्क्रीन के माध्यम से लघु फिल्म दिखाकर भी कृषकों को मार्गदर्शित किया गया।

समूह बनाकर कर रहे श्री अन्न की खेती

सीरॉक संस्था के रमेश शर्मा के द्वारा ग्राम लुलका व बोरपानी आदिवासी ग्राम में 12-13 स्व सहायता समूह कार्य कर रहे हैं। जिसमें शीला धुर्वे, मनीषा उइके, कलावती उइके, अनीता बाई, रामेति बाई, आशा बाई उइके, काशी बाई उइके आदि महिलाओं के द्वारा श्री अन्न फसलों का उत्पादन किया जा रहा है। सहायक संचालक कृषि, दुष्यंत धाकड ने कहा कि श्री अन्न फसलों के उत्पादन की रायसेन जिले की सिलवानी, उदयपुरा, व औबेदुल्लागंज विकासखंड में अच्छी संभावनाएं हैं यहां की जलवायु श्री अन्न फसलों के लिए उपयुक्त हैं एवं विभाग के द्वारा श्री अन्न फसलों के प्रचार-प्रसार के लिए प्रमुखता से कार्य किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में जिले के सभी विकासखंडों से महिला, पुरुष कृषक, आत्मा परियोजना व कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित हुए।

रायसेन एक्सप्रेस

भोपाल
बुधवार, 7 फरवरी, 2024

जिला स्तरीय मिलेट मेले का किया आयोजन

रायसेन (आरएनएन)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग रायसेन द्वारा मप्र राज्य मिलेट मिशन अंतर्गत जिला स्तरीय मिलेट्स मेले का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में एनपी सुमन उप संचालक कृषि डॉ आरके शुक्ला उपसंचालक पशुपालन दुष्यंत धाकड़ जितेन्द्र नामदेव सहायक संचालक कृषि डीएस कोठारी सहायक कृषि यंत्री डॉ स्वप्निल दुबे वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख डॉ प्रदीप कुमार द्विवेदी रंजीत सिंह राघव प्रमुख रूप से उपस्थित थे।एनपी सुमन ने कहा कि इस क्षेत्र में श्री अन्न के उत्पादन की अच्छी संभावनाएं है रायसेन जिले के विकासखण्ड औबेदुल्लागंज के ग्राम लुलका बोरपानी में सिरॉक संस्था कृषि विभाग व कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन के तकनीकी मार्गदर्शन में आदिवासी महिलाओं के द्वारा कोदो सांवा रागी व कांगनी का उत्पादन किया जा रहा है व मूल्य संवर्धन के अंतर्गत इनका आटा बनाके बाजार

में उपलब्ध कराया जा रहा है।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ स्वप्निल दुबे ने कहा कि श्री अन्न ज्वार बाजरा कोदो कुटकी सांवा रागी कंगनी चेना के लिए कम उपजाऊ भूमि ऊंची नीची भूमि कम खाद कम पानी व कम लागत में तैयार हो जाती है। श्री अन्न से हमें प्रोटीन कार्बोहाइड्रेट वसा आयरन रेशा मिनरल कैल्शियम की प्रचुर मात्रा में पूर्ति हो जाती है। मोटापा हृदय रोग गैस्ट्रिक अल्सर व मधुमेह आदि रोगों के लिए श्री अन्न बहुत लाभकारी है। वैज्ञानिक डॉ प्रदीप कुमार द्विवेदी द्वारा प्राकृतिक खेती व वैज्ञानिक रंजीत सिंह राघव द्वारा श्री अन्न फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक संबंधी जानकारी विस्तारपूर्वक दी गयी व एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लघु फिल्म दिखाकर भी कृषकों को मार्गदर्शित किया गया।सीरॉक संस्था के रमेश शर्मा के द्वारा ग्राम लुलका व बोरपानी आदिवासी ग्राम में 12-13 स्व सहायता समूह कार्य कर रहे हैं। जिसमें शीला धुर्वे मनीषा उईके कलावती उईके अनीता बाई रामेति बाई आशा बाई उईके काशी बाई उईके आदि महिलाओं के द्वारा श्री अन्न फसलों का उत्पादन किया जा रहा है। सहायक संचालक कृषि दुष्यंत धाकड ने कहा कि श्री अन्न फसलों के उत्पादन की रायसेन जिले की सिलवानी उदयपुरा व औबेदुल्लागंज विकासखण्ड में अच्छी संभावनाएं हैं यहां की जलवायु श्री अन्न फसलों के लिए उपयुक्त है एवं विभाग के द्वारा श्री अन्न फसलों के प्रचार प्रसार के लिए प्रमुखता से कार्य किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में जिले के सभी विकासखण्डों से महिलाए पुरुष कृषक आत्मा परियोजना व कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित हुये।

रायसेन पत्रिका

बेगमगंज. सिलवानी. बरेली. सलामतपुर. दीवानगज. गैरतगंज. उदयपुरा. सांची. औबेदुल्लागंज. मंडीदीप

patrika.com पत्रिका. भोपाल, बुधवार, 07 फरवरी, 2024

किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग ने जिला स्तरीय मिलेट मेला का किया आयोजन

श्रीअन्न के उत्पादन की जिले में है बेहतर संभावनाएं: उप संचालक सुमन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रायसेन. किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग रायसेन द्वारा मप्र राज्य मिलेट मिशन अंतर्गत जिला स्तरीय मिलेट्स मेले का आयोजन किया गया। इसमें उप संचालक कृषि एनपी सुमन, पशुपालन उप संचालक डॉ. आरके शुक्ला, सहायक संचालक दुष्यंत धाकड़, जितेन्द्र नामदेव, सहायक कृषि यंत्री डीएस कोठारी, कृषि वैज्ञानिक डॉ. स्वप्निल दुबे, डॉ. प्रदीप कुमार द्विवेदी, रंजीत सिंह राघव प्रमुख रुप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपसंचालक एनपी सुमन ने कहा कि इस क्षेत्र में श्रीअन्न के उत्पादन की अच्छी संभावनाएं हैं। विकासखंड औबेदुल्लागंज के ग्राम लुलका बोरपानी में सिरॉक संस्था, कृषि विभाग और कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन के तकनीकी मार्गदर्शन में आदिवासी महिलाओं द्वारा कोदो, सांवा, रागी व कांगनी का उत्पादन किया जा रहा है। मूल्य संवर्धन के अंतर्गत इनका आटा बनाकर बाजार में उपलब्ध कराया जाता हैं।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. स्वप्निल दुबे ने कहा कि श्रीअन्न ज्वार, बाजरा, कोदो, कटकी, सांवा, रागी, कंगनी, चेना की फसल कम उपजाऊ भूमि, ऊंची नीची भूमि, कम खाद-पानी के साथ कम लागत में तैयार हो जाती हैं। श्रीअन्न से हमें प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, आयरन, रेशा, मिनरल, कैल्शियम की प्रचुर मात्रा में पूर्ति हो जाती हैं। मोटापा, हृदय रोग, गैस्ट्रिक अल्सर व मधुमेह आदि रोगों के लिए श्रीअन्न बहुत लाभकारी होता हैं। वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप कुमार द्विवेदी ने प्राकृतिक खेती व वैज्ञानिक को बढ़ावा देने की बात कही। इस मौके पर अन्य विशेषज्ञों ने भी किसानों को उन्नत खेती, नई तकनीकी और श्रीअन्न को लेकर विस्तार से जानकारियां दीं।

रायसेन. श्रीअन्न की खेती कर रहे किसानों को किया सम्मानित।

अमर वाणी

भूख प्यास से जितने लोगों की मृत्यु होती है उससे कहीं अधिक लोगों की मृत्यु ज्यादा खाने और ज्यादा पीने से होती है।
- कहावत

भोपाल, रायसेन व सीहोर से एक साथ प्रकाशित

सच्चाई भी, अच्छाई भी

स्टार समाचार

facebook.com/starsamachar twitter.com/starsamachar www.starsamachar.com

वर्ष 11 अंक 115 भोपाल, बुधवार, 7 फरवरी 2024

जिला स्तरीय मिलेट मेला का किया गया आयोजन, दूसरे दिन भी कार्यक्रम में पहुंचे जिले के कृषक

श्री अन्न मनुष्य के अनेकों रोगों से मुक्ति के लिए बहुत लाभकारी है : डॉ.स्वप्ननिल दुबे

स्टार समाचार | रायसेन

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग रायसेन द्वारा म.प्र. राज्य मिलेट मिशन अंतर्गत जिला स्तरीय मिलेट्स मेले का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एन.पी. सुमन उप संचालक कृषि, डॉ.आर.के. शुक्ला उपसंचालक पशुपालन, दुष्यंत धाकड़, जितेन्द्र नामदेव, सहायक संचालक कृषि, डी.एस. कोठारी, डॉ स्वप्निल दुबे वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख,डॉ प्रदीप कुमार द्विवेदी, रंजीत सिंह राघव, प्रमुख रूप से उपस्थित थे। वहीं उपस्थित वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ स्वप्निल दुबे ने कहा कि श्री अन्न ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी, सांवा, रागी, कंगनी, चेना के लिए कम उपजाऊ भूमि, ऊंची नीची भूमि,कम खाद,कम पानी,व कम लागत में तैयार हो जाती है। श्री अन्न से हमें प्रोटीन,काबोर्हाइड्रेट, वसा, आयरन, रेशा,मिनरल,कैल्शियम की प्रचुर मात्रा में पूर्ति हो जाती है। मोटापा, हृदय रोग, गैस्ट्रिक अल्सर व मधुमेह आदि रोगों के लिए श्री अन्न बहुत लाभकारी है।

एन.पी. सुमन ने कहा कि इस क्षेत्र में श्री अन्न के उत्पादन की अच्छी संभावनाएं है,रायसेन जिले के विकासखण्ड

औबेदुल्लागंज के ग्राम लुलका बोरपानी में सिरॉक संस्था, कृषि विभाग व कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन के तकनीकी मार्गदर्शन में आदिवासी महिलाओं के द्वारा कोदो, सांवा, रागी व कांगनी का उत्पादन किया जा रहा है व मूल्य संवर्धन के अंतर्गत इनका आटा बनाके बाजार में उपलब्ध कराया जा रहा है। वैज्ञानिक डॉ प्रदीप कुमार द्विवेदी द्वारा प्राकृतिक खेती व वैज्ञानिक रंजीत सिंह राघव द्वारा श्री अन्न फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक सम्बन्धी जानकारी विस्तार पूर्वक दी गई। एल.ई.डी स्क्रीन के माध्यम से लघु फिल्म दिखाकर भी कृषकों को मार्गदर्शित किया गया। सीरॉक संस्था के रमेश शर्मा के द्वारा ग्राम लुलका व बोरपानी आदिवासी ग्राम में 12-13 स्व सहायता समूह कार्य कर रहे हैं। जिसमें शीला धुर्वे, मनीषा उईके, कलावती उईके, अनीता बाई, रामेति बाई, आशा बाई उईके, काशी बाई उईके आदि महिलाओं के द्वारा श्री अन्न फसलों का उत्पादन किया जा रहा है। सहायक संचालक कृषि, दुष्यंत धाकड ने कहा कि श्री अन्न फसलों के उत्पादन की रायसेन जिले की सिलवानी, उदयपुरा, व औबेदुल्लागंज विकासखण्ड में अच्छी संभावनाएं हैं यहां की जलवायु श्री अन्न फसलों के लिए उपयुक्त हैं एवं विभाग के द्वारा श्री अन्न फसलों के प्रचार-प्रसार के लिए प्रमुखता से कार्य किया जा रहा है।इस कार्यक्रम में जिले के सभी विकासखण्डों से महिला,पुरुष कृषक,आत्मा परियोजना व कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित हुये।